महिला कल्याण एवं बाल विकास कार्यक्रम – एक अध्ययन

मीनू सिंह

किसी भी राष्ट्र की समृद्धि के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि अन्य संसाधनों के समान ही उसके मानव संसाधन भी स्वस्थ एवं संपन्न हों। पंडित जवाहर लाल नेहरू जी का मत था कि स्वस्थ नागरिक व स्वस्थ बच्चे ही किसी वैभव संपन्न व समृद्ध समाज या राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। अतः प्रत्येक राष्ट्र का यह उत्तरदायित्व है कि वह अपने क्षेत्र के अन्तर्गत ऐसे कार्यक्रमों का संचालन करें जिससे मानव संपदा को प्राकृतिक संपदा के सापेक्ष संतुलित रखा जा सके तथा उन्हें सामाजिक, शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, नैतिक, शैक्षिक, पोषण व आर्थिक आदि स्तरों पर सुरक्षात्मक भावना प्रदान की जा सके। हमारे देश को कल्याणकारी राज्य के रूप में प्रतिस्थापित करने के वायदे को पूरा करने के लिए सरकार ने स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही देश के सभी नागरिकों विशेष रूप से आर्थिक–सामाजिक दृष्टि से पिछड़े हुए लोगों और वंचित वर्गों को प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, सुरक्षित पेयजल, बिजली और खाद्य सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों के संचालन पर ध्यान केन्द्रित किया। परिवार कल्याण एवं बाल विकास कार्यक्रम विशेषतः महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।